श्री सुरेश पचौरी: मान्यवर, इस सरकार में बैठे हुए लोग 6 दिसम्बर की दुर्भाग्यपूर्ण घटना में शामिल हैं। इस सरकार से कोई अपेक्षा नहीं की जा सकती। ...(व्यवधान)...

श्री दीपांकर मुखर्जी: यह सरकार वी०आर०एस० ले ले। ...(व्यवधान)...

MR. CHAIRMAN: Now, can we take up the Question Hour? ...*(Interruptions)*... he has replied. ...*(Interruptions)*...

प्रो० रामदेव भंडारी: यह कोई रिप्लाई नहीं था सर।

MR. CHAIRMAN: The Question may be taken up now. ...*(Interruptions)*... The question may be taken up now. Mr. Solanki. ...*(Interruptions)*...

SHRI NILOTPAL BASU: Let the Prime Minister come. ...*(Interruptions)*... Let the Prime Minister come. ...*(Interruptions)*... Let the Prime Minister come and explain the situation.

श्री दीपांकर मुखर्जी: सर, अगर जनता ने इनको वी०आर०एस० लेने के लिए चोस दिया है तो उन्हें वी०आर०एस० ले लेना चाहिए। ...(व्यवधान)...

श्री सुरेश पचौरी: सर, सस्पेंशन ऑफ क्वेश्चन ऑवर का नोटिस हमने दिया था, उसका क्या हुआ? ...(व्यवधान)... सर, हम चाहेंगे कि क्वेश्चन ऑवर स्थगित किया जाए और प्रधान मंत्री यहां आकर वक्तव्य दें। ...(व्यवधान)...

श्री दीपांकर मुखर्जी: सर क्वेश्चन नंबर वन तो यह है कि यह सरकार वी०आर०एस० क्यों नहीं लेती है?

ORAL ANSWER TO QUESTION

Contract Engineers in EIL

*1. **SHRI GOPALSINH G. SOLANKI:** Will the Minister of **PETROLEUM AND NATURAL GAS** be pleased to refer to answer to Unstarred Question 1802 given in the Rajya Sabha on the 7th August, 2001, and state:

(a) whether 50 per cent of vacancies/requirements of management trainees will be filled on an annual basis from contract engineers as decided by the Board of Engineers India Limited (EIL);

(b) if so, the number of contract engineers who have been recruited/absorbed by the management of EIL as on 31st January, 2002 and if not, the reasons for delay in re-instating these contract engineers; and

(c) whether Government would absorb all the contract engineers within a time-bound programme and if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI RAM NAIK): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) Engineers India Limited (EIL) In June, 2000 decided that 50% of the vacancies/requirement of Management Trainees would be filled on an annual basis from contract engineers working in the company or who have left the service of the company on completion of contract period/foreclosure of contract and meet the selection criteria.

(b) No contract engineer has been recruited/absorbed by EIL after the above mentioned decision due to non-availability of vacancies of Management Trainees in the company.

(c) Absorption of contract engineers would depend on the quantum of business available to EIL. It is not possible to indicate any time frame for absorption of the contract engineers.

SHRI GOPALSINH G. SOLANKI: Sir, in the reply it has been stated that the absorption of contract engineers is not possible because they do not have work. I would like to know from the

Minister whether the criterion of selection had been laid down, when they were taken on a contract basis. When they were taken on a contract basis, they were all qualified. ...*(Interruptions)*... Would the Minister think of removing this criterion of selection and absorb them in the EIL? ...*(Interruptions)*...

SHRI RAM NAIK: Sir, basically, it is a consultancy body. ...*(Interruptions)*... Whenever it gets a contract for consultancy, it engages the engineers for a period of that contract. ...*(Interruptions)*... Generally, the contract is for a period of three years and they would be dealt with accordingly. ...*(Interruptions)*... It has been decided that whenever new contracts come, they should be reengaged. ...*(Interruptions)*...

श्री सुरेश पचौरी: सभापति महोदय, हमने रूल 267 के तहत नोटिस दिया था ...(व्यवधान). रूल 38 के अन्तर्गत क्वेश्चन आवर को सस्पेंड करने का प्रावधान है। ...(व्यवधान)...

SHRI RAM NAIK: Moreover, though presently there is no work, we have decided to upgrade our 16 refineries from where we will be producing 0.5 per cent sulphur diesel, instead of 0.25 per cent sulphur diesel, which will give us a lot of work. ...*(Interruptions)*... The cost of upgradation of these 16 refineries is ...*(Interruptions)*...

श्री सज्जू परमार: सरकार जनता की अदालत का ...(व्यवधान)...

श्री सुरेश पचौरी: सभापति महोदय, यह रूल 38 में दिया गया है ...(व्यवधान)

श्री सभापति: वह नहीं माना गया है, क्वेश्चन आफ क्वेश्चन आवर नहीं माना गया है।

SHRI RAM NAIK: Sir, I was saying that there were 16 refineries where we would be taking up upgradation work. ...*(Interruptions)*... The total cost of upgradation is about Rs. 15,000 crores. ...*(Interruptions)*... When we take up that work, there will be a possibility of creating some more jobs and then the contract engineers would be engaged there. ...*(Interruptions)*... As of now, no additional work is available. ...*(Interruptions)*...

SHRI GOPALSINH G. SOLANKI: Sir, my second supplementary arises from the reply to part (c) of my question ...*(Interruptions)*... Now absorption is not possible because there is no work. ...*(Interruptions)*... Is there any likelihood of getting a mega project and whether it would create employment for those contract engineers who have already left the EIL? ...*(Interruptions)*...

SHRI RAM NAIK: Sir, I have already clarified that there are 16 refineries which are required to be upgraded so that the country, as a whole, can get better diesel and petrol with 0.5 per cent sulphur content than the present 0.25 per cent. When we take up this work. ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: The House is adjourned for fifteen minutes.

The House then adjourned at eighteen minutes past eleven of the clock.

The House reassembled at thirty-three minutes past eleven of the clock, MR. CHAIRMAN in the Chair

RE. STAND OF GOVERNMENT ON AYODHYA ISSUE—contd.

MR. CHAIRMAN: The Leader of the House.

सभा के नेता (श्री जसवंत सिंह): सभापति जी, मैं फिर माननीय सदस्यों से सादर और आग्रहपूर्वक निवेदन करूंगा कि सरकार का विचार इस मसले पर बिल्कुल स्पष्ट है, कल इसे स्पष्ट किया जा चुका है और स्थिति को देखते हुए वहां कानून की समुचित व्यवस्था कर दी गई है। सभापति जी, मैं आपके मार्फत सदन में कहना चाहता हूं कि सरकार इसके लिए वचनबद्ध है कि जो निषिद्ध क्षेत्र है उसमें कानून का उल्लंघन कर किसी को नहीं आने दिया जाएगा ...(व्यवधान)...

MR. CHAIRMAN: Let him speak.

श्री जसवंत सिंह: निषिद्ध क्षेत्र में कानून का उल्लंघन कर किसी को नहीं आने दिया जाएगा। इस नीति पर यह सरकार बिल्कुल स्पष्ट है और इसकी घोषणा कर चुकी है। इसकी समुचित व्यवस्था कर दी गई है। इसमें कोई विवाद नहीं है। ...(व्यवधान)...

MR. CHAIRMAN: Let him complete. ...*(Interruptions)*... Let him complete.

श्री जसवंत सिंह: मैं एक ही निवेदन करना चाहता हूं ...(व्यवधान)...

SHRI NILOTPAL BASU: Sir, we have heard these things earlier also. Still violations are taking place. That is the problem. Violations took place earlier also.

श्री राजू परमार : आप उनको पकड़िये। ...(व्यवधान) वी० एच० पी० वालों को आप क्यों नहीं पकड़ते हैं? ...(व्यवधान)...

श्री जसवंत सिंह : सभापति महोदय, सम्माननीय अर्जुन सिंह जी मुझसे हर रूप में बड़े हैं, उम्र में बड़े हैं, अनुभव में बड़े हैं। पद में बड़े हैं। मैं एक ही निवेदन करूंगा ...(व्यवधान)
MR. CHAIRMAN : Let him complete.

श्री जसवंत सिंह : मैं एक ही निवेदन करूंगा। मैं जो कहूं, उस बात को यह कह कर नहीं टालें कि तुम जो कह रहे हो, असत्य कह रहे हो, हम तुम्हारी बात पर विश्वास नहीं करते हैं। मैं इस सदन का एक सदस्य हूं। सदन ने, पार्टी ने मुझे इज्जत बख्शी और नेता बना दिया। आपने नेतृत्व स्वीकार किया है, मैं सदन का नेता हूं। आप मेरी बात में लाख गलती निकाल सकते हैं मैं जो कहूं ऐसा मत कहिये कि मैं सदन में असत्य बोलता हूं या आप उस पर विश्वास नहीं करते। यदि ऐसा है तो मुझे आप सदन के नेता पद से हटा दीजिये, किसी और को लगा दीजिये, मुझे कोई पद की आकांक्षा नहीं है, मैं असत्य बोलूंगा सदन में, यह कभी संभव नहीं है। मैं फिर दोहरा देता हूं सरकार की नीति स्पष्ट है सरकार कानून और न्याय को वहां लगाने के लिए कटिबद्ध है, जो कुछ हो रहा है, उसके प्रति सजग है, समुचित व्यवस्था कर दी गई है। जो निषिद्ध क्षेत्र है, उसमें किसी को नहीं आने दिया जाएगा। इसके उपरांत भी, आज शाम की बैठक के उपरांत भी, यदि माननीय सदस्य चाहते हैं कि इस विषय पर चर्चा हो, माननीय प्रधानमंत्री जी आएं, तो आप तय कर लीजिये। प्रधानमंत्री जी आएंगे, चर्चा भी हो सकती है, कानूनन हो सकती है, जैसे रूल बने हुए हैं, यही मेरा निवेदन है। ...(व्यवधान)

श्री जीवन राय : आप असत्य नहीं बोल रहे हैं, आप ठीक बोल रहे हैं। ...(व्यवधान) लेकिन सरकार विवश है। इसलिए होब-नोब हो रहा है। ...(व्यवधान)

श्री अर्जुन सिंह : सभापति महोदय, मुझे ऐसा लगा जो कुछ मैंने यहां कहा, उससे

व्यक्तिगत रूप से माननीय जसवंत सिंह जी शायद आहत हुए हैं। मैं फिर स्पष्ट करना चाहता हूं कि मैं किसी प्रकार का न आपका अनादर करता हूं, न आप पर अविश्वास करता हूं। मैं उम्र में कम हूं या ज्यादा हूं या अनुभव में कम हूं या ज्यादा हूं, लेकिन अपनी जिम्मेदारी सदन के प्रति और इस देश के प्रति समझने की कोशिश करता हूं। मैं सब जगह यह कर पाता हूं, यह भी नहीं कहता हूं। सवाल यह है कि यह ऐसा विषय है जिस विषय पर हमारा ही नहीं, राष्ट्र का जो अनुभव है, वह हमसे कैसे भुलाया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट में एफिडेविट देने के बाद जिस पार्टी के सत्ता में बैठे हुए लोग उस एफिडेविट का उल्लंघन कर सकते हैं...(व्यवधान) आप सुनना चाहते हैं, मैं इनके बारे में तो कुछ नहीं कह रहा हूं, कैसे हम उस अनुभव को भुला दें? आज अयोध्या में जो हो रहा है, यह कितने भी कटिबद्ध हों, ये हैं, मैं इनकी बात मानता हूं, यह मैंने पहले ही कह दिया था लेकिन जो स्थल पर हो रहा है, वह अगर सीमा के बाहर चला जाएगा तो न यह कुछ कर सकते हैं और न और कोई कुछ कर सकता है। उसको रोकने के लिए आपने क्या किया है, वह तो आपने कुछ बताया नहीं है। ठीक है, समुचित व्यवस्था है, यह उसी समुचित व्यवस्था का वर्णन उन आडवाणी जी के द्वारा हो रहा है, जिन आडवाणी जी को उसी स्थल पर वही सब करने के लिए आरोपबद्ध किया गया था। कैसे इसे हम समुचित मानें? कुछ राष्ट्र को भी सम्बल दीजिये, राष्ट्र को भी तो संतुष्ट करिये। केवल वहां कह देने मात्र से काम नहीं चलेगा। आपका हम कोई अनादर नहीं करना चाहते लेकिन मेहरबानी करके इस प्रश्न की संवेदनशीलता को समझने की कोशिश करिये क्योंकि इसका प्रधानमंत्री ही निवारण कर सकते हैं। अगर वह कह सकते हैं तो आकर कह दें, नहीं कह सकते हैं तो फिर जो होगा वह हम लोग आगे देखेंगे।

SHRI NILOTPAL BASU : Sir, I just want to make this point ...*(Interruptions)* With due respect to the Leader of the House...*(Interruptions)* We want to make this point very, very clear ...*(Interruptions)*

श्री रामदास अग्रवाल (राजस्थान) : सभापति महोदय, मैं भी बोलना चाहूंगा। ...(व्यवधान)

श्री एस० एस० अहलुवालिया : क्या आपने इस पर बहस की अनुमति दी है? ...(व्यवधान)

MR. CHAIRMAN : I can't hear anything ...*(Interruptions)*

श्री रामदास अग्रवाल : सभापति महोदय, हमें भी बोलने का अवसर दिया जाए। ...(व्यवधान)

SHRI NILOPTAL BASU : Sir, you ask them to sit down and kindly allow me to speak...*(Interruptions)*

श्री एस॰ एस॰ अहलुवालिया : सभापति महोदय, रिकार्ड में यह बहस नहीं जानी चाहिए ...(व्यवधान)

SHRI NILOTPAL BASU : People can't shout us down like this. ...*(Interruptions)*... This is very wrong. ...*(Interruptions)*...

श्री रामदास अग्रवाल : अगर ये बोलेंगे तो हम भी बोलेंगे...(व्यवधान)

SHRI NILOTPAL BASU : Sir, in the UP elections ...*(Interruptions)*

MR. CHAIRMAN : I can't hear anything. ...*(Interruptions)*

श्री रामदास अग्रवाल : हम भी इस विषय पर बोलना चाहते हैं...(व्यवधान)

SHRI NILOTPAL BASU : Sir, ...*(Interruptions)*

MR. CHAIRMAN : I am not hearing. Nothing will ...*(Interruptions)*

SHRI NILOTPAL BASU : They had been using all this abusive language. ...*(Interruptions)* Why were all these things then allowed to be developed in UP elections? ...*(Interruptions)* How can we expect...? ...*(Interruptions)* Therefore, no less than the Prime Minister himself should come to the House and assure the nation ...*(Interruptions)*

MR. CHAIRMAN : Nobody is hearing. ...*(Interruptions)* The House is adjourned till 2 o' clock.

The House then adjourned at forty-two minutes past eleven of the clock.

The House reassembled after lunch at one minute past two of the Clock,

The Vice-Chairman (*Shri suresh Pachouri)* in the Chair.

WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS

Deposits with Commercial Banks

*2. SHRI C.O. POULOSE: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether there has been a sharp decline in deposits with the scheduled commercial banks;

(b) whether the fall in deposits is direct impact of recent decision to cut down the interest rates on deposits; and

(c) if so, whether the Government would reconsider the interest structure in these banks in order to attract more deposits?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI BALASAHEB VIKHE PATIL): (a) No, Sir. Deposits of scheduled commercial banks have not recorded any decline. On the contrary, deposits of scheduled commercial banks during the year 2001-2002 have increased from Rs.9,62,618 crore as on March 23, 2001 to Rs.10,78,971 crore as on February 8, 2002.

(b) and (c) Do not arise.

VRS for associate Banks of SBI

3. DR. Y. LAKSHMI PRASAD: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that various employees of the associated banks of the State Bank of India who have submitted